Title: Problem of child labour in the country.

श्री हरिकेवल प्रसाद (सलेमपुर) : मैं आपकी आज्ञा से कहना चाहता हूं कि बाल श्रमिकों के शोाण और उत्पीड़न की स्थिति निरंतर गिरती जा रही है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद उसमें कमी आने की बजाए बढ़ोत्तरी होती जा रही है और उसी रफ्तार से उनके शोाण और उत्पीड़न की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। देश की राजधानी दिल्ली में ऐसी घटनाओं की भरमार है जो मेरे संज्ञान में लिखित रूप से लाई गई है । .....*---- उनको मजदूरी के नाम पर आज तक एक पैसा भी नहीं दिया गया।

यहां बच्चों को कई दफा भोजन नहीं दिया जाता है। उन्से जबरन मार-पीट करके काम कराया जाता है। दक्षिण जिला पुलिस आयुक्त को लिखित आवेदन देने के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। इस अन्याय और शोाण के विरुद्ध भारत सरकार के लेबर कमीशन के समक्ष प्रदर्शन किया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि वह इस मामले में हस्तक्षेप कर के बाल श्रमिकों को मुक्ति और न्याय दिलाने की कृपा करें

MR. SPEAKER: Shri Madhusudan Mistry, your notice is unsigned. Therefore, it is invalid and hence rejected. I am sorry about that. Please be careful next time.

...(*Interruptions*)

---

* Expunged as ordered by the Chair.

MR. SPEAKER: Shri Mistry, you have given an unsigned notice which is of no value.